

संक्षिप्त समाचार

स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री श्री परमार का भ्रमण कार्यक्रम में कृषि उपज मंडी में फसल बीमा राशि का शुभारंभ करेंगे

ब्रज कुमार राठौर

श्री परमार मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं सामाज्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इंद्र सिंह परमार 10 फरवरी को शाजापुर जिले के शुजालपुर पहुंचे। तथा 12 फरवरी 2022 को दोपहर 12:00 बजे कृषि उपज मंडी शुजालपुर में फसल बीमा राशि वितरण का शुभारंभ करेंगे।

निम्बड़ी माता मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह गणपति पूजन के साथ आरम्भ

संजय कुमार

श्री निम्बड़ी माता प्राण प्रतिष्ठा समारोह गणपति पूजन के वैदिक मंत्र के साथ प्रारंभ हुआ। शुजालपुर को 11 वेद पंडितों द्वारा गणपति पूजन कर जाजम बिछाई और 1008 मोदक अर्चना के साथ प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का प्रारंभ किया गया। वर्ती आज अभिजीत मुरुर्मुल में जाजम बिछाई जाकर वास्तु गणपति पूजन कर पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आचार्य महेंद्र पुरोहित फलोदी के सानिध्य में 11 ब्राह्मणों का वर्णविद्धान हुआ। निम्बड़ी माता मन्दिर द्रुस्ट के अध्यक्ष ओम प्रकाश मेहता ने बताया कि पांच दिवसीय इस आयोजन में शुजालपुर को शाम 4:00 बजे 108 मंगल कलश के साथ शेषाभास्त्रा विकासी जाएगी और धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्य यजमान कमल मेहता द्वारा पूजन कार्य प्रारंभ हुआ। समारोह में पुरोहित मंत्री, किशोर शर्मा, ओम जोशी, महेश सुधार, राजेन्द्र बिंदल, नरेंद्र दत्त, नवद राजेन्द्र, कैलाश मेहता, उगमराज जागिंड़, के डी घारण, बांकसिंह, सहित सैकड़ों द्वादशाला उपस्थित थे।

41वां कोविड-19 टीकाकरण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

शालू बौद्धान

41वां कोविड-19 टीकाकरण शिविर आज यानी 10 फरवरी 2022 को शालू बौद्धान (हैंड मेड बर्ड बेस्ट) और (सी.आर.ओ) जिला अध्यक्ष महिला विंग एवं आनंद पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल विधि गुरुता जी और को ऑर्डिनेटर मोलिका जी और डॉटर्ट बैरेम शर्मा एएन.एम.सुनीता एएन.एम.प्रोमिला सक्षम अंजय सक्षम वर्षा सक्षम पूर्ण सक्षम कविता सक्षम वीतु एवं स्कूल के स्टाफ के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आज इस कैप में लगभग 180 डोज लगाई गई है जिसमें 15 प्लास तक बूस्टर डोज भी लगाई गई है। 40 शिविरों के बाद आज यह हमारा 41वां वैक्सीनेशन कैप संपन्न हुआ जोकि आनंद पब्लिक स्कूल प्रोफेसर कॉलेजीय युवानांगन में किया गया था।

इस कैप के तहत समाजेशी शालू बौद्धान जी ने बताया कि हम समय-समय पर ऐसे कार्य करते रहते हैं उन्होंने यह भी बताया की हमारे एस.पी सर श्री कमलदीप योगेन्द्र जी द्वारा जो नश मुकित अभियान लाया जा रहा है उसमें भी वह कार्य करती है और अपना पूर्ण सहयोग देती है बौद्धान मैडम ने यह बताया कि कल यानी 9 फरवरी 2022 को उनकी टीम के द्वारा कॉलेजी की कुछ छात्राओं को और आजाद नगर गती नंबर 5 की लेडीस को नशे के उपर जागरूक किया और उन्हें उससे होने वाले जुक साने के बारे में बताया नव युवा पीढ़ी इस अभियान में हमारा तह देख से साथ देने को तैयार है और हम याहां की लो अपने घरों से बाहर निकले और इस नश को जड़ से खत्म करने में हमारा सहयोग करें। (हैंड मेड बर्ड बेस्ट) दिन-बिन्दन जिस तरह से हमारे शहर से जैरेंया और छोटे-छोटे पंची लुप्त होते जा रहे हैं उन्हें भी वापस लाने की यह मुहिम है इस मुहिम को चाहाँे हुए मैडम बौद्धान को 3 वर्ष हो गए हैं।

हरदोई गोपामऊ विधान सभा से BSP उम्मीदवार सर्वेश जनसेवा को मिल रहा जन समर्थन

शाहवाज हुसैन झान

हरदोई गोपामऊ 157 विधानसभा से बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार सर्वेश जनसेवा को सभी समाज के लोगों व वर्गों का समर्थन प्राप्त हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी के विधायक व सरकार से गोपामऊ की कमजूर उम्मीदवार सर्वेश जनसेवा को बुनावा चाहता है जिसका नाम भजदूर, बेरोजगार सभी लोगों के लिए बनाया गया है। उम्मीदवार उम्मीदवार सर्वेश जनसेवा को बुनावा चाहता है और अपना पूर्ण सहयोग देती है बौद्धान जी को बुनावा चाहता है और अपना पूर्ण सहयोग देती है।

वृद्धा पेंशन ना मिलने से बुजुर्ग हुए परेशान कलेक्ट्रेट के आगे गिड़गिड़ाते हुए रोने लगे

राजेश मेवाहा

एम.पी के शाजापुर जिले की गुलाना तहसील के ग्राम पंचायत कैथल के बुजुर्ग लालजी राम उस समय भास्कुल होकर रोने लगे जब कलेक्टर उनकी शिकायत सुन रहे थे। बुजुर्ग ने ग्राम पंचायत पर उनकी बुद्धा पेंशन में जाम जोड़ने की बात कहने हो गए थे। बुजुर्ग ने दिलेंग जैन के पैर पकड़ लिए जिस संबंध में कलेक्टर ने तुरंत इस पिंपाश को लेकर संबोधित किया था। बुजुर्ग को जल्दी नाशक राक्षस को यस्मान नगर से उड़ाक फेंकने में हमारी मदद

ICAI-CA दिसंबर 2021 परिणाम घोषित, राधिका बेरीवाला ने CA फाइनल परीक्षा में रैंक (ICAI-1) हासिल किया

एन्सीआर समाचार

नई दिल्ली वार्ड-1 एकाउंटेंट्स संस्थान (ICAI) ने फाइनल और फाउंडेशन कार्यक्रमों के लिए (CA) परिणाम आज, 10 फरवरी की घोषित कर दिया है। छात्रों को फाइनल और फाउंडेशन कार्यक्रमों के लिए ICAI-CA परिणाम 2021 तक पहुंचने के लिए पंचीकरण आईडी / पिन नंबर और जन्म तिथि का उपयोग करना होगा।

ICAI के CCM थीरज खंडेलवाल के अनुसार, 11868 छात्र CA दिसंबर की परीक्षा पास करके चार्टर्ड अकाउंटेंट्स बन गए हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (ICAI) ने दिसंबर 2021 में आयोजित CA फाइनल और CA फाउंडेशन परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिया है। परिणाम के साथ, संस्थान ने शीर्ष 3 टैक्स धारकों और दोनों स्तरों के लिए पास प्रतिशत की सूची भी जारी की है।

ममता बनर्जी और करण अडानी के बीच हुई बैठक जो बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया

एन्सीआर समाचार

बंगाल के करण अडानी और ममता बनर्जी के बिच बातचीत हुई है। करण अडानी पूर्व मेंदिनीपुर जिले के ताजपुर में प्रसारित डीप सी पोर्ट में निवेश को राजी है। गुरुवार को हुई बातचीत में बैठक में राज्य के मुख्य सचिव होकर द्विवेदी भी मौजूद रहे। अडानी पोर्ट के समूह के अधिकारी पहले ही यहां का कर चुके हैं। वहां दिसंबर में गौतम अडानी नामक वानराज निवेश को लेकर चर्चा हुई है। बता देकी अब तक दस कंपनियों ने ताजपुर में डीप सीप सोर्ट में निवेश को लेकर चर्चा की है। 10 में से चार कंपनियों के अधिकारी वाले बंगाल गोलामपुर के निवेश में आयोजित होने के संकेत दिखे हैं। आपको बता देकी है कि जगह-जगह निवेश को लेकर चर्चा हुई है। साथ में उन्होंने अप्रैल में किया विशेषण होने वाले बंगाल गोलामपुर के निवेश में आयोजित होने के संकेत दिखे हैं। इससे चार कंपनियों के अधिकारी ताजपुर का दौरा भी कर चुके हैं। इस साथ बंगाल गोलामपुर के निवेश में आयोजित होने के संकेत दिखे हैं। आपको बता देकी है कि जगह-जगह निवेश को लेकर चर्चा हुई है।



निवेश प्रक्रिया जमा करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी बताई गई है। बता देकी अब तक दस कंपनियों ने ताजपुर में डीप सीप सोर्ट में निवेश को लेकर चर्चा की है। 10 में से चार कंपनियों के अधिकारी वाले बंगाल गोलामपुर के निवेश में आयोजित होने के संकेत दिखे हैं। आपको बता देकी है कि जगह-जगह निवेश को लेकर चर्चा हुई है। साथ में उन्होंने अप्रैल में किया विशेषण होने वाले बंगाल गोलामपुर के निवेश में आयोजित होने के संकेत दिखे हैं। इससे चार कंपनियों के अधिकारी ताजपुर का दौरा भी कर चुके हैं। इस साथ बंगाल गोलामपुर के निवेश में आयोजित होने के संकेत दिखे हैं। आपको बता देकी है कि जगह-जगह निवेश को लेकर चर्चा हुई है।

अपराधी को पकड़ने में मदद करने वाली असली हीरो किये गये सम्मानित



से महिलाओं की सुरक्षा हेतु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। आरंभ संस्था द्वारा भोपाल में मासूम बच्चों के साथ हुई बच्चों की सुरक्षा हेतु जरूरी टिप्पणीय गये सनसनीखेत अपराध में घटित घटनाक्रम को दृष्टिपोषण रखते हुए भोपाल युलिस ने विजनेस समिति के उद्घाटन के लिए ममता और नीरन्द मोदी को आमंत्रित किया है। बंगाल गोलामपुर के निवेश में आयोजित होने के संकेत दिखे हैं। आपको बता देकी है कि जगह-जगह निवेश को लेकर चर्चा हुई है। सोमवार के मुताबिक बंगाल गोलामपुर के निवेश को लेकर चर्चा हुई है। साथ में उन्होंने अप्रैल में घटित विशेषण को लेकर चर्चा हुई है। बंगाल गोलामपुर के निवेश को लेकर चर्चा हुई है। इससे चार कंपनियों के अधिकारी ताजपुर का दौरा भी कर चुके हैं। इस साथ बंगाल गोलामपुर के निवेश को लेकर चर्चा हुई है। आपको बता देकी है कि जगह-जगह निवेश को लेकर चर्चा हुई है।

ATM ने तोड़फोड़ कर चोरी का प्रयास करने वाले आरोपी को पुलिस ने समिट दिया गिरापता

देवेन्द्र कुमार जैन



प्राप्त जानकारी क

संपादकीय

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कुर्मी वोटर होंगे निर्णायक

यूपी में सभी राजनैतिक दल पिछड़ों (ओबीसी) की बड़ी जाति कुर्मियों के वोट बैंक पर नजर जमाएं हुए हैं। कुर्मियों के वर्चस्व के चलते राजनीति में भी कुर्मी नेताओं ने अहम स्थान और किरदार निभाया है, यह और बात है कि अभी तक प्रदेश को कुर्मी बिरादरी से कोई मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया है। इस बार भी हमेशा की तरह उत्तर प्रदेश की सियासत ओबीसी के इर्द-गिर्द केंद्रित हो गई है। प्रदेश में यादव के बाद दूसरी सबसे बड़ी आबादी ओबीसी में कुर्मी समाज की है। कुर्मी समाज के बोटों को साधने के लिए बीजेपी से लेकर सपा, बसपा और कांग्रेस तक जोर आजमाइश में जुटी हैं। वर्षी, अपना दल के दोनों गुट कुर्मी समाज की बदौलत किंग मेंकर बनने का सपना संजोये हैं तो नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) भी इसी दम पर सूबे में अपने सियासी पैर जमान चाहती है। ऐसे में यूपी चुनावों में सभी दलों के लिए अहम बन चुके कुर्मी मतदाता किसकी वैतारणी पार लगाएंगे? यह सवाल सत्ता के गलियारों में खूब गूंज रहा है। उत्तर प्रदेश में कुर्मी बिरादरी का वोट करीब 6 फीसदी है, जिन्हें पटेल, गंगवार, सचान, कटियार, निरंजन, चौधरी और वर्मा जैसे उप-नाम से जाना जाता है। रुहेलखंड में कुर्मी गंगवार और वर्मा से पहचाने जाते हैं तो कानपुर-बुद्देलखंड क्षेत्र में कुर्मी, पटेल, कटियार, निरंजन और सचान कहलाते हैं। अवध और पश्चिमी यूपी के क्षेत्र में कुर्मी समाज के लोग वर्मा, चौधरी और पटेल नाम से जाने जाते हैं। प्रदेश में रामपूजन वर्मा, रामस्वरूप वर्मा, बरखू राम वर्मा, बेनी प्रसाद और सोनेलाल पटेल यूपी की कुर्मी राजनीति के दिग्गज नेता माने जाते थे। यूपी में कुर्मी समाज 6 फीसदी है, जो ओबीसी में 35 फीसद के करीब है। सूबे की करीब चार दर्जन विधानसभा सीटें और 8 से 10 लोकसभा सीटें ऐसी हैं जिन पर कुर्मी समुदाय निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यूपी में कुर्मी समाज का प्रभाव 25 जिलों में है, लेकिन 16 जिलों में 12 फीसदी से अधिक सियासी ताकत रखते हैं। कुर्मी बिरादरी के लोग पूर्वांचल से लेकर बुद्देलखंड और अवध से रुहेलखंड तक में किसी भी दल का सियासी खेल बनाने और बिगाड़ने की स्थिति रखते हैं। हाल फिलहाल में भारतीय जनता पार्टी कुर्मी समाज पर पुरजोर तरीके से पकड़ बनाए हुए हैं। सपा ने भी कुर्मी समाज के बोटों को लुभाने के लिए गहरी गोरे बिछाई हैं। कांग्रेस भी बार-बार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को यूपी लाकर संकेत दे रही है कि कुर्मी वोटर उनके लिए कितना महत्व

रखती है। बड़े दलों में कुर्मा नेताओं की बात कि जाए तो समाजावादी पार्टी ने नरेश उत्तम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है तो भाजपा में स्वतंत्र देव सिंह कुर्मियों की रहनुमाई कर रहे हैं। अबकी विधान सभा चुनाव में कुर्मा किसका बड़ा पार करेगा, यह क्यकि प्रश्न बना हुआ है। बहरहाल, आजादी के बाद से कुर्मा वोटर सभी दलों को लुभाते रहे हैं। एक समय में कांग्रेस में कुर्मियों का बड़ा नेतृत्व रहा था। प्रयागराज में रामपूजन पटेल कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे। वह 1967 व 1970 में दो बार विधायक बने। बाद में सितम्बर 1981 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें राज्यसभा भेजा। वह फूलपुर संसदीय क्षेत्र का चार बार नेतृत्व करते रहे। बाद में 1989 में मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू करने को लेकर कांग्रेस छोड़ दी और सपा में आ गए। मंडल दौरे ने कांग्रेस से इस बड़े वोट बैंक को थीरे-थीरे दूर कर दिया। अब पूर्वांचल में सैंथवार कुर्मियों की विरासत संभाल रहे कद्दावर नेता आरपीएन सिंह भी कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा में आ गए। लोहेलखंड और उसमें भी बरेली की कुर्मा राजनीति का बड़ा ठिकाना माना जाता है। यहाँ 14 फरवरी को मतदान होना है। चाहे चेताराम गंगवार हों या भगवत शरण गंगवार या संतोष कुमार गंगवार बरेली, बहेड़ी और नवाबगंज से लेकर पीलीभीत तक कुर्मियों का वर्चस्व है।

चेतराम वर्ष 1967 में बरेली की नवाबगंज सीट से जीते और नारायण दत्त तिवारी व वीर बहादुर सिंह की सरकार में मंत्री रहे थे। नवाबगंज सीट ऐसी है जहां से 52 वर्षों में किसी कुर्मा के अलावा कोई विधायक ही नहीं चुना गया है। यही वजह है कि नवाबजंग से भाजपा के डा. एमपी आर्य, सपा के भगवत शरण गंगवार, कांग्रेस की ऊषा गंगवार मैदान में हैं तो बहेड़ी से राजस्व राज्यमंत्री छत्रपाल सिंह गंगवार और बसपा के आसेराम गंगवार मैदान में हैं। बरेली जिले में बार-बार जीतते रहे कुर्मा नेताओं की अपने समाज के बीच किटनी पकड़ है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस क्षेत्र के कुर्मा नेता लगातार और बार-बार जीतते रहे हैं। संघेष गंगवार 8 बार संघ प्रद बत्ते हैं तो तत्त्वांगन में

बार जाता रहे हैं, स्वामी गणेश ने बार सांसद बन गए हैं। कभी भाजपा के नेता रहे भगवत् शरण गंगवार पांच बार विधायक रहे हैं। खीरी निधासन से राम कुमार वर्मा विधायक रहे और मंत्री बने। बाल गोविंद वर्मा दो बार सांसद रहे। उनकी पत्नी ऊषा वर्मा भी सांसद रही। उनके बेटे रविप्रकाश वर्मा भी सांसद रहे। राम कुमार वर्मा का बेटा शशांक अब निधासन से भाजपा के टिकट पर मैदान में है। उधर, लखीमपुर-खीरी में कुर्मा नेता रहे पूर्व विधायक स्व. कौशल किशोर वर्मा के पोते उत्कर्ष वर्मा लखीमपुर शहर से सपा के टिकट पर लड़ रहे हैं। डा. कौशल किशोर वर्मा के भाजे योगेश वर्मा लखीमपुर शहर से भाजपा विधायक हैं। पिछली बार उन्होंने डा. कौशल के पोते को हाराया था। दोनों इस बार फिर आमने-सामने हैं। धौराहरा विधानसभा में सपा के नेता रहे स्व. यशपाल चौधरी के बेटे वरुण चौधरी सपा से लड़ रहे हैं। सपा के कद्वावर कुर्मा नेता रहे बेनी प्रसाद वर्मा की वजह से भी सपा में कुर्मा बेना और कुर्मा वर्मा बन गया। हायांकंठी में बेनी प्रसाद वर्मा

नताजा का वर्चस्व बढ़ता गया। बाराबंकी में बना प्रसाद वर्मा, अंबेडकरनगर में राममूर्ति वर्मा, बस्टी के राम प्रसाद चौधरी बड़े कुर्मियों के कद्वावर नेता हैं। बेनी प्रसाद वर्मा का बाराबंकी और आसपास बड़ा असर रहता था। जब तक वह सपा में रहे सपा, बाराबंकी, फैजाबाद, गोडा, बहराइच व श्रावस्ती में मजबूत रही। बेनी के असर का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि वर्ष 2009 में जब वह कांग्रेस में आए तो बाराबंकी से पीएल पुनिया, फैजाबाद से निर्मल यश्चरी, बहराइच से कमल किशोर कमांडो, महाराजगंज से हर्षवर्धन सिंह समेत कई सांसदों की जीत में कुर्मी वोटरों का बड़ा रोल देखने को मिला। अब बेनी वर्मा के बेटे राकेश वर्मा रामनगर से चुनाव मैदान में हैं। एक अन्य कुर्मी नेता विनय कटियार की बात की जाए तो राममंदिर आंदोलन के बाद उपर्युक्त विनय कटियार का अयोध्या के करीबी इलाकों में अच्छा वर्चस्व रहा है। कांग्रेस के जयराम वर्मा भी अयोध्या के कभी हिस्सा रहे अकबरपुर पश्चिमी से विधानसभा से जीते थे। अब इस इलाके में दो कुर्मी नेताओं लालजी वर्मा और राममूर्ति वर्मा का असर है। राममूर्ति वर्मा पहले से ही सपा में रहे हैं और अब लालजी वर्मा कटेहरी से मैदान में हैं। बस्टी-महाराजगंज में कुर्मियों की चौधराहट की बात कि जाए तो बस्टी के राम प्रसाद चौधरी कभी बसपा में रहे और बाद में सपा में शामिल हो गए।

पहले चरण में दांव पर कई मंत्रियों की प्रतिष्ठा

अंकित सिंह

उत्तर प्रदेश चुनाव में पहले चरण के लिए मतदान की तारीख काफी नजदीक आ चुकी है। 10 फरवरी को 11 जिलों में मतदान होने हैं। पहले चरण में जिन जिलों में मतदान होगा वे सभी प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र के हैं। इस चरण में शामली, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा तथा आगरा जिलों में मतदान होगा। पहले चरण में विधानसभा की 58 सीटें पर महासंग्राम है। यही कारण

उत्तर प्रदेश विधानसभा
चुनाव में मुख्य मुकाबला
भाजपा और समाजवादी
पार्टी के ही बीच माना जा
रहा है। समाजवादी पार्टी
और राष्ट्रीय लोकदल के
गठबंधन ने पश्चिमी उत्तर
प्रदेश के जातिगत
समीकरणों को अपने पक्ष में
जरूर किया है। लेकिन
भाजपा भी लगातार चुनौती देने
रही है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान की अगुवाई करते हुए केंद्र और उत्तर प्रदेश में पार्टी के नेतृत्व वाली सरकारों की उपलब्धियों का जिक्र किया और सपा-रालोद के गठबंधन पर हमला करते हुए लोगों को 'नकली समाजवादियों' से सतर्क रहने को कहा। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले कैराना से हिंदुओं के पलायन का मुद्दा बार-बार उठाया। उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान किसानों के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाया और भाजपा नेताओं पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। अपने चुनाव प्रचार अभियान की देर से शुरुआत करने वालीं बसपा अध्यक्ष मायावती ने लोगों को अपनी पिछली सरकार के कार्यकाल में राज्य की कानून व्यवस्था की याद दिलाई और प्रतिद्वंद्वी पार्टीयों प्रदेश की जनता से 'छल' करने आगे पल लगाया। कांग्रेस महासभा प्रियंका गांधी वादा ने मतदाताओं के घर जाकर बोट मांगे। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष राजनीति नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित दिग्गजों ने चुनाव प्रचार संभाला जब अखिलेश यादव और जयंत चौधरी लगातार भाजपा के आरोपों का जवाब देते रहे। मायावती थोड़ी बाद में सक्रिय जरूर हुई जबकि प्रियंका भी उत्तर प्रदेश में जमकर प्रचार कर रही हैं। प्रचण्ड चरण के चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशियों पर भी भरोसा जताया है। पुराने विधायिकों के टिकट के कर रहे हैं। पहले चरण के चुनाव में कुल 62 उम्मीदवार मैदान में हैं और इस चरण में 2.27 करोड़ मतदाता हैं। पहले चरण के चुनाव जाट बहुल क्षेत्र में होगा।

चरण म प्रदेश सरकार क मत्रा श्राकात शर्मा, सुरेश राणा, संदीप सिंह, कपिल देव अग्रवाल, अतुल गर्ग और चौधरी लक्ष्मी नारायण के राजनीतिक भाग्य का फैसला होगा। वर्ष 2017 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहले चरण की 58 में से 53 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी(बसपा) को दो-दो सीटें मिली थी। इसके अलावा राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) का भी एक प्रत्याशी जीता था। आगरा के 9 विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। बुलंदशहर के सातों सीट पर भाजपा का कमल खिला था। बागपत में दो पर भाजपा जबकि एक पर राष्ट्रीय लोक दल ने जीत हासिल की थी। हापुड़ में दो पर भाजपा और एक पर बसपा ने जीत हासिल की थी। मुजफ्फरनगर के छह के छह सीटों पर भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की थी। मेरठ में 7 में से 6 सीट भाजपा के खाते में गई थी जबकि एक बार समाजवादी पार्टी का साइकिल चला था। शामली में 2 सीटों पर भाजपा जीत हासिल की थी जबकि एक पर समाजवादी पार्टी को बढ़त हासिल हुई थी। गौतमबुद्ध नगर की तीनों सीटों पर भाजपा का कमल खिला था। गाजियाबाद की भी 5 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। अलीगढ़ में सात के सात सीट भाजपा के खाते में गए थे। जबकि मथुरा में 4 सीट भाजपा को मिले थे और एक बसपा को। भारत एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का मानन वाला देश है, जिसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि देश का राजकाज चलाने के लिए खुद जनता ही चुनावों के माध्यम से अपने-अपने पसंदीदा राजनेताओं के पक्ष में बिना किसी जोर दबाव के पूर्ण स्वतंत्रता के साथ मतदान करके वोटों की ताकत के माध्यम से उनका चयन करती है, वोटों के माध्यम से जनता को मिली देश व प्रदेश का भाग्य विधाता तय करने की यही ताकत ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी है। उस प्रक्रिया का निर्वहन करने के लिए आजकल देश में पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया चल रही है। वैसे भी देखा जाये तो चुनावों का यह समय लोकतांत्रिक व्यवस्था को मानने वाले हमारे देश के लिए एक महापर्व के समान है, जिसके माध्यम से हम लोग अपना आज व अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य तय करने के लिए किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करके उसका चयन करते हैं। लेकिन जिस तरह से धीरे-धीरे हम लोगों के रोजर्मर्मा के व्यवहार व आचरण में विभिन्न प्रकार की कुरीतियां आती जा रही हैं, उससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था भी अछूती नहीं रही है। आज हालात यह हो गये हैं कि हमारे देश में चंद सत्तालोलुप नेताओं व विभिन्न प्रलोभन में अपना मत देने वाले चंद वोटरों की क्षणिक स्वार्थी सोच से देश में चुनावों के माध्यम से अच्छे लोगों के चयन की प्रक्रिया प्रभावित होती जा रही है।

पहले के मुकाबले छोटा भले है पर ज्यादा
बड़े इरादे वाला है भाजपा का संकल्प पत्र

भाजपा ने इस बार 2017 की तुलना में बहुत छोटा संकल्प पत्र जारी किया है। भाजपा ने इस बार लोक कल्याण संकल्प पत्र में लिखा है “भाजपा ने कर के दिखाया है, भाजपा फिर करके दिखाएगी।” भाजपा का कहना है कि वह जनता से सिर्फ वही वादे करती है जो वह पूर्ण करके दिखा सकती है।

मृत्युंजय दी

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में मतदाता का अवसर आ गया है, सभी दल जनमानस व लुभाने के लिए अपने-अपने चुनावी घोषणापत्र को जारी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने जनकल्प पत्र जारी किया है वहीं समाजवादी पार्टी ने वचनपत्र जारी कर कई लोकलुभावन वादे किए हैं। बहुजन समाजवादी पार्टी ने इस बार अपनी घोषणापत्र जारी नहीं करने की चतुराई की लेकिन अपी तक उसे इसका कोई लाभ होता हुआ तो नहीं दिखाई पड़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार पहले अपनी सरकार का पांच साल का रिपोर्ट कार्ड जारी किया और अब संकल्प पत्र के सहारे मनोवैज्ञानिक ढंग से विकास और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मुद्रों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। प्रदेश का मतदाता किसवार घोषणापत्र अधिक पसंद करता है यह तो आगामी दस मार्च को ही पता चलेगा लेकिन यहां पर यही देखना होगा कि अपी तक जितने चुनावी सभी आ रहे हैं उनमें कांटे के मुकाबले के साथ भारतीय जनता पार्टी को ही नंबर बन बताया जा रहा है। भाजपा ने इस बार 2017 की तुलना में बहुत छोटे संकल्प पत्र जारी किया है। भाजपा ने इस बालोक कल्याण संकल्प पत्र में लिखा है “भाजपा कर के दिखाया है, भाजपा फिर करके दिखाएगी। भाजपा का कहना है कि वह जनता से सिर्फ वादे करती है जो वह पूर्ण करके दिखा सकती है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में किसान, युवा सुशासन, सशक्त नारी, स्वस्थ प्रदेश अर्थव्यवस्था एवं आधारभूत संरचना के साथ सांस्कृतिक, धार्मिक व आध्यात्मिक केंद्रों के

विकास के साथ ही सबके नारे को आगे बढ़ाया। अमित शाह और मुख्यमंत्री उपस्थिति में 130 संकलन संकल्प पत्र जारी किया है ने हर बेघर को घर, हर स्वरोजगार सहित हर व्यक्ति को दोगुनी करने का बड़ा ने विरासत से विकास त साधने का प्रयास किया है के प्रतीकों के माध्यम के रूप में और दलित वोट बैंक को किया है। भाजपा ने अपने नीति से समाज के हर वर्ग को समर्पित किया है। भाजपा ने दलित वोट बैंक महर्षि वाल्मीकि का चित्र रविदास और डा. भीमराव सांस्कृतिक केंद्र स्थापना करने के लिए लखनऊ विधानसभा पासी किले में लाइट एंड शुरू करने की घोषणा की थी। मजबूत पकड़ बनाने के लिए श्रृंगवेरपुर में सांस्कृतिक केंद्र व ब्राह्मण समाज के कल्याण बनाने का भी संकल्प लिया गया। कल्याण सिंह के नाम पर गुरु करने की घोषणा की गयी विकास पर भी बल दिया गया। अकादमी, गोस्वामी अकादमी और बुंदेलखण्ड बुदेली अकादमी की स्थापना लिया गया है। पूर्वांचल में राम अकादमी की घोषणा की सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण की ओर गति से चल रहा है और कड़ी में अयोध्या में भगवान् राम की संस्कृति शास्त्रों और धार्मिक लिए रामायण विश्वविद्यालय 2025 में दिव्य कुंभ कराने है। भाजपा ने अपने संकलन

साथ सबका विकास की भाजपा ने गृहमंत्री रोगी आदित्यनाथ की कालोक कल्याण भारतीय जनता पार्टी रिवार को रोजगार-की प्रति व्यक्ति आय दा किया है। भाजपा सभी सरोकार को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भाजपा ने पिछड़े साधने का प्रयास कल्प पत्र के माध्यम बनने का प्रयास किया है। इसको साधने के लिए ट, बनारस में संत वेदकर की स्मृति में धोषणा की है। पासी त महाराजा बिजली उंड शो की सुविधा निषाद वोट बैंक पर निषाद राज गुह का बनाने के साथ संतों के लिए विशेष बोर्ड या है। पूर्व मुख्यमंत्री उन्नत योजना शुरू की थी। क्षेत्रीय भाषाओं के या है और सूरदास तुलसीदास अवधि के लिए केशवदास करने का संकल्प भी कबीरदास भोजपुरी यी है। अयोध्या में फैसले के बाद का निर्माण अबाध ब इसी विकास की न राम से संबंधित तथ्यों पर शोध के य की स्थापना और या संकल्प लिया गया पत्र में दलित पिछड़ा

गरीब मजदूर और बुजुर्ग सभी के कल्याण का संकल्प लिया है। इसके अलावा दिव्यांगों, बुजुर्ग व विधवा महिलाओं की पैशन 1500 रूपये करने और सरकारी बसों में 60 साल से ऊपर की बुजुर्ग की महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा कराने का भी संकल्प लिया है। भाजपा को इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों की नाराजगी के कारण भारी दबाव झेलना पड़ रहा है। किसानों की नाराजगी को कम करने के लिए भाजपा ने सभी किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का बहुत बड़ा वादा किया है। देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है जिसके कारण संकल्प पत्र में देश भक्तों को भी सम्मान देने का संदेश दिया गया है। गीत संगीत के क्षेत्र में कलाकारों को लुभाने के लिए दिवंगत स्वर को किला लता मंगेशकर की याद में अकादमी बनायी जायेगी। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने महिलाओं व छात्राओं को लुभाने के लिए पहली बार उनके लिए अलग से धोषणापत्र जारी किया है और सपा ने भी छात्राओं से काफी लोक लुभावन वादे किये हैं जिसकी काट खोकर भाजपा ने भी मेधावी छात्राओं को स्कूटी देने और युवतियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए लव जिहाद पर कम से कम दस वर्ष की सजा का प्रावधान करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कन्या सुंमगलम योजना में वित्तीय सहायता 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार करने का संकल्प लिया गया है। सामूहिक विवाह अनुदान योजना में एक लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता साथ ही प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत सभी लाभार्थियों को होली व दीपावली पर दो फ्री सिलेंडर देने का वादा किया गया है। महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में लोक सेवा आयोग समेत सभी सरकारी भर्तियों में महिलाओं के पदों को दोगुना करने का संकल्प लिया है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में लखनऊ और नोएडा में डिजिटल अध्ययन अकादमी बनाने, कानपुर में मेगा लेदर पार्क बनाने सहित भी कई बड़े वादे किये गये हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रदेश में आतंकी व जेहादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए देवबंद में सेटर बनाया।

चुनौतियों के बावजूद लोकतंत्र सबल कैसे हो?

A woman with dark hair and a teal scarf is shown from the chest up. She has a white face paint featuring a blue 'T' shape on her forehead and a red bindi. She is pointing her right index finger upwards. In the background, a police officer in a tan uniform is standing. The setting appears to be outdoors, possibly during a protest or rally.

कह सकते हैं। 56 देश खुद को लोकतांत्रिक बताते हैं लेकिन वे लंगड़ाते हुए लोकतंत्र हैं। याने दुनिया के ज्यादातर देश या तो तानाशाही में जी रहे हैं या फौजशाही में या पार्टीशाही में या परिवारशाही या राजशाही में ! उन राष्ट्रों में आम जनता के मूल अधिकारों की परवाह करनेवाला कोई नहीं है। न सरकार, न अदालत और न ही संसद ! यह संतोष का विषय है कि भारत में नागरिकों के अधिकारों का जब भी उल्लंघन होता है तो सरकारें, संसद और अदालतें उनका संज्ञान लिये बिना नहीं रहतीं। भारत को गर्व है कि आज तक उसमें फौजी तख्ता-पलट की कोई कोशिश तक नहीं हुई जबकि हमारे पड़ोसी देशों में कई बार तख्ता-पलट हो चुके हैं। इन देशों के संविधान भी कई बार पूर्णरूपण बदल चुके हैं लेकिन भारत का संविधान अब तक ज्यों का त्यों है। भारत के केंद्र और राज्यों में अक्सर सरकारें बदलती रहती हैं। लेकिन ऐसा बुलेट से नहीं, बैलेट से होता है। इसके बावजूद दुनिया के 167 राष्ट्रों की सूची में भारत का स्थान 46 वां क्यों है? वह पहला क्यों नहीं है? जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, वह सबसे अच्छा भी क्यों नहीं है? जिन दस देशों के नाम इस सूची में सबसे ऊपर हैं, वे भारत के औसतन प्रांतों से भी छोटे हैं- जैसे नार्वे, न्यूजीलैंड, फिनलैंड, स्वीडन, आयरलैंड, ताइवान आदि! भारत गर्व कर सकता है कि चीन, जो कि जनसंख्या में उससे भी बड़ा है, वह घटिया लोकतंत्रों में 5 वें स्थान पर है। उसके पहले चार सीढ़ियों नीचे बैठे हैं- अफगानिस्तान, म्यांमार, उत्तर कोरिया और लाओस। अपने मित्र चीन से दो सीढ़ि ऊपर बैठा है, पाकिस्तान! इन राष्ट्रों में या तो तानाशाही का डंका पिट रहा है या फौज का ! किसी देश में लोकतंत्र है या नहीं है और कम है या ज्यादा है, यह नापने का जो पैमाना है, उसके पांच मानदंड हैं। एक, चुनाव प्रक्रिया, दो सरकारी काम-काज, तीन राजनीतिक भागीदारी, चार राजनीतिक तथा सांस्कृतिक स्वतंत्रता और पांच, नागरिक अधिकार ! इन सब आधारों पर जांचने पर पता चला है कि अमेरिका जैसा समृद्ध राष्ट्र 26 वें स्थान पर है, भारत 46 वें पर और पाकिस्तान 104 वें स्थान पर है। पाकिस्तान में भी भारत की तरह चुनाव तो होते हैं लेकिन वहां भी अफ्रीकी देशों की तरह फौज का स्थान सर्वोपरि है। फौज पाकिस्तान की स्थायी महारानी है। सारी दुनिया की कुल आबादी में सिर्फ 6.4 प्रतिशत जनता ही स्वस्थ लोकतंत्रों में रहती है। दूसरे देशों का जो भी हाल हो, हम भारतीयों की इस खोजबीन में लगना चाहिए कि हमारे लोकतंत्र की बाधाएं क्या-क्या हैं? सबसे पहली बाधा तो यही है कि सभी पार्टीयां प्रायवेट लिमिटेड कंपनियां बन गई हैं। उनमें आंतरिक स्वतंत्रता शून्य हो गई है। दूसरा, हमारे यहां मतदान के आधार प्रायः मजहब या जात बन गए हैं। तीसरा, जन-प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार जनता को नहीं है। चौथा, देश का शासन, प्रशासन, कानून और न्याय सब कुछ अब भी पुराने मालिक अंग्रेज की भाषा में ही चल रहा है। पांचवां, हमारे नेताओं का ब्रह्म सत्य सत्ता और पता है। लोक-कल्याण तो माया है। उसे नौकरशाहों के हवाले कर दिया गया है। छाता, देश की ज्यादातर जनता के लिए उचित परिमाण में शिक्षा, चिकित्सा और खुराक का इंतजाम अभी तक नहीं हुआ है। इन सवालों का जवाब कोई ढूँढ़े तो देश में सच्चा लोकतंत्र लाने में देर नहीं लगेगी।



आवश्यक सचिन

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा है। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें।

ਹਿੰਦੂ ਕੇ ਸਮਰਪਨ ਮੌਲਿਕ ਸੋਨਮ ਕਪੂਰ

कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद पर अब एकट्रेस सोनम कपूर का बयान आया है। सोनम कपूर ने एक पोस्ट में तस्वीर लगाई है जिसमें पगड़ी बांधे एक शख्स नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ हिजाब पहने एक महिला नजर आ रही हैं। पगड़ी बांधे शख्स पर लिखा है कि, यह पहनना एक चॉइस हो सकती है। वहीं हिजाब पहनने वाली तस्वीर पर लिखा है कि, इस कपड़े को पहनने के लिए चॉइस नहीं? हालांकि, सोनम ने एक पोस्ट के साथ कुछ लिखा नहीं है, लेकिन उनके द्वारा पोस्ट की गई इस तस्वीर से आपको सबकुछ समझ आ जाएगा। बता दें कि, हिजाब विवाद तब से शुरू हुआ जब उडुपी के एक सरकारी कॉलेज में छह लड़कियां हिजाब पहनकर आ गईं, इसके विरोध में फिर छात्रों के एक ग्रुप ने इसका विरोध करते हुए भगवा स्कार्फ पहन कॉलेज में विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस विरोध प्रदर्शन से कर्नाटक के अन्य हिस्सों में भी तनाव बढ़ता ही चला गया है। एक कॉलेज में हुई हिंसा ने पुलिस को लाठीचार्ज करने पर मजबूर कर दिया है। कर्नाटक सरकार ने आदेश जारी करते हुए हाई स्कूल और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों के लिए बुधवार से तीन दिन की छुट्टी की घोषणा कर दी। आपको बता दें कि, कर्नाटक उच्च न्यायालय शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब प्रतिबंध को चुनौती देने वाली एक याचिका



पर सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा, 'हम राज्य सरकार और अन्य सभी हितधारकों से अनुरोध करते हैं कि वे शैक्षणिक संस्थानों को फिर से खोलें और छात्रों को जल्द से जल्द कक्षाओं में लौटने की अनुमति दें। इन सभी याचिकाओं पर विचार किए जाने तक, हम सभी छात्रों को उनके धर्म या आस्था की परवाह किए बिना, भगवा शॉल (भगवा), स्कार्फ, हिजाब, धार्मिक झँडे या कक्षा के भीतर अगले आदेश तक पहनने से रोकते हैं। चल रहे विवाद पर बॉलीयुड की कई हस्तियों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। जावेद

अखर ने कहा कि वह हिजाब या बुर्का के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन गुंडों की भीड़ की निंदा करते हैं जो लड़कियों के एक छोटे समूह को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, कंगना रनौत ने इस मुद्दे पर एक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, अगर आप हिम्मत दिखाना चाहते हैं तो अफगानिस्तान में बुर्का न पहनकर दिखाइए। मुक्त होना सीखें, खुद को पिंजरे में बंद न रखें। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर, 1973 में ईरान में महिलाओं को स्विमवियर पहने और लगभग 50 साल बाद बुर्का पहने हुए एक पोस्ट भी शेयर किया है।

2 साल बाट काम पर लौटी
एिया चक्रवर्ती, किया शुक्रिया

मुंबई। अभिनेत्री
रिया चक्रवर्ती ने
शनिवार को कहा कि
वह दो साल बाद
काम पर वापस लौटी
हैं। उन्होंने इन दो
वर्षों को अपनी
जिंदगी का “सबसे
मशिकल दौर”



बताया। अधिनेत्री चक्रवर्ती उस वक्त विवादों में आयी थीं जब उनके प्रेमी एवं अधिनेता सुशांत सिंह राजपूत 2020 में मृत पाए गए थे। 29 वर्षीय चक्रवर्ती पर राजपूत को आत्महत्या के लिए उकसाने तथा उनके परिवार पर अधिनेता की संपत्ति का दुरुपयोग करने का आरोप लगा था। चक्रवर्ती को पिछली बार 2021 में आयी श्रिलंकर फिल्म ‘‘चेहरे’’ में देखा गया था जिसमें अमिताभ बच्चन ने भी काम किया है। चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्हें एक रेडियो स्टेशन में देखा जा सकता है। उन्होंने लिखा, ‘‘कल, मैं दो साल बाद काम पर गयी थीं। उन सभी लोगों का बहुत-बहुत शुक्रिया जो मेरे सबसे मुश्किल वक्त में मेरे साथ खड़े रहे। क्या होता है यह मायने नहीं रखता, सूरज हमेशा चमकता है। कभी हार मत मानो।’’ ‘‘मेरे डैड की मारुति’’ और ‘‘जलेबी’’ जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुकीं चक्रवर्ती को 2020 में राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ मामले में यहां 28 दिन जेल में रहना पड़ा था। वह अभी जमानत पर हैं।

यह मेरी जेल है, मेरे नियमों के साथ, हिला कर रख
देगा कंगना का यह रियलिटी शो, टीजर हुआ रिलीज



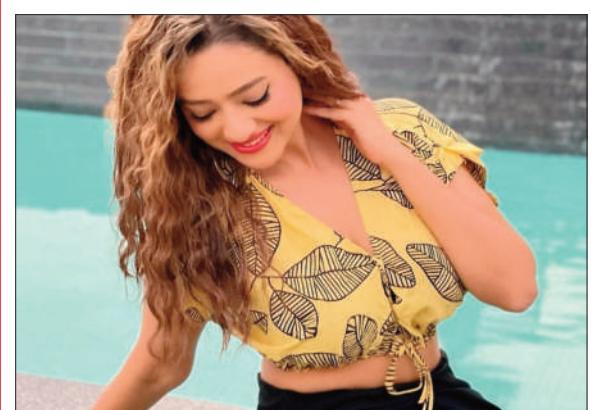
A composite image featuring a portrait of actress Kangana Ranaut on the right side. She has dark hair and is wearing large, ornate earrings. On the left side, there is a close-up of a black microphone with a silver mesh grille. In the center, there is a block of Hindi text.

40 साल की एवेटा तिवारी ने ट्रांसपरेंट इंडेस में कराया फोटोशूट



श्वेता ने जैसे ही अपनी बोल्ड और सेक्सी तस्वीरें पोस्ट की वैसे ही फैंस ने कमेट की बाढ़ लगा दी। उनके एक फैन ने यह कहते हुए तारीफ की कि वह इस उम्र में भी आग लगा रही है। आपको बता दें कि, अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद श्वेता ने 10 किलो वजन कम कर दिया है। श्वेता तिवारी 40 साल की उम्र में भी बोल्ड और सेक्सी लुक में नजर आ रही है। बता दें कि, एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर काफी बोल्ड और सेक्सी तस्वीरें पोस्ट और वीडियो शेयर की है। बता दें कि, हाल ही में उन्होंने ब्लैक शिमरी गाउन में अपनी तस्वीरें शेयर कीं जिसमें वह एकदम धमाकेदार और बोल्ड लग रही है। उनकी इन तस्वीरों से किसी की भी नजरें हटने का नाम नहीं ले रही है। श्वेता ने जैसे ही अपनी बोल्ड और सेक्सी तस्वीरें पोस्ट की वैसे ही फैंस ने कमेट की बाढ़ लगा दी। उनके एक फैन ने यह कहते हुए तारीफ की कि वह इस उम्र में भी आग लगा रही है। आपको बता दें कि, अपने दूसरे बच्चे के जन्म

मिथुन चक्रवती की बहू ने पार की बोल्डनेस की सारी हडें, सिर्फ बाथरोब पहनकर दिए हॉट पोज



ਬਿਕਿਨੀ ਮੈਂ ਯੋਗ ਬੇਹਦ ਹੀ ਹਾਁਟ ਅਦਾਓਂ ਕੇ ਸਾਥ ਬੋਲਡਨੇਕ ਕਾ ਮਰ-ਮਰਕਰ ਠੋਜ ਦੇਤੀ ਹੈ

बॉलीवुड की बोल्ड अभिनेत्रियों में गिने जाने वाली शर्लिन चोपड़ा अपने बोल्ड लुक्स और सेक्सी फैशन स्टेटमेंट की वजह से अक्सर सुर्खियों में छाई रहती हैं। अभिनेत्री आज अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। 11 फरवरी 1984 को हैंदराबाद में जन्मीं शर्लिन कई हिंदी और तेलुगू भाषा की बोल्ड फिल्मों में भूमिका निभा चुकी हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी बेहद ही हॉट तस्वीरें फैस के साथ शेयर करती रहती हैं। लोग भी उनके हॉट अवतार के दीवाने हैं, इसलिए हर दूसरे दिन इंटरनेट पर अभिनेत्री की तस्वीर वायरल होती रहती हैं। तेलुगू फिल्म 'ए फिल्म बाय अरविंद' से शर्लिन चोपड़ा



A full-page photograph of a woman with long dark hair, wearing a grey bikini, sitting on a light-colored sofa. She is looking directly at the camera with her hands resting near her head. The background is a plain white wall.



A photograph of a woman with long dark hair, wearing a black bikini, lying on her stomach on a light-colored, possibly marble, floor. She is positioned against a wall with a white baseboard. Her head is resting on her arms, which are bent under her chest. Her legs are bent at the knees, with her feet tucked towards her bottom. The lighting is soft, creating shadows on the floor and wall.



साल राज कुंद्रा पोर्नेग्राफी मामले को लेकर भी शर्लिन चोपड़ा ने काफी सुर्खियाँ लटाई थी। उन्होंने गज कंटा पर बैहट गंभीर आरोप लगाया थे।



बिकनी में आग सेंकती दिखीं ये एकट्रेस,
फैस के कमेंट पढ़कर उड़ जाएंगे होश